







# सम्पादकीय

## मोहरों के माहिर गुकेश चैपियन

भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर गुकेश डी का वर्कर्ड चैपियन बनना हर भारतीय को उल्लास से भर गया। वजह है कि वह दुनिया में सबसे कम उम्र के वर्कर्ड चैपियन बने हैं। जो बताता है कि भारत अब शतरंज के ग्रैंडमास्टरों की खान बनता जा रहा है। वीरवार को उन्से सिंगापुर में खेली गई विश्व चैपियनशिप की 14वीं अंतिम बाजी में चैन के ग्रैंडमास्टर डिंग लिखने को हारा। बचपन में किसी प्रतार ने उनसे पूछा था कि उनका सपना क्या है तो बालक गुकेश ने दो टूक शब्दों में कहा था कि मैं विश्व चैपियन बनना चाहता हूँ। वह तो तय था कि वे विश्व चैपियन बनेंगे, लेकिन इतनी जल्दी बनेंगे यह उम्मीद उनके अलावा किसी को नहीं थी। विश्वानाथ भी विश्व चैपियन बने मगर वे 31 साल की उम्र में यह करिस्मा दिखा पाए। यही वजह है कि 14वीं व अंतिम बाजी जीतने के बाद वे भाव-विभाव होकर अपनी अप्रत्याशित जीत के बाद खुशी से सर्वानुरूप रूप से रो पड़े।

बेद हाल, इस क्षेत्र के सभाव के गुकेश का बढ़पन देखिए कि इस बड़ी जीत के बावजूद उन्होंने कहा कि हासे वाले डिंग दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। बहरहाल, आज गुकेश निर्वाचित रूप से शतरंज के बादशाह हैं। उनकी साधारणा ने सफलता की नई इवात लिखी है। उनकी सफलता के पीछे उनके परिवार का भरपूर संबल रहा। यहां तक कि बेटे की सुनहरी कामयाबी के लिये पिता ने अपना कैरियर तक दांव पर लगा दिया। वैसे सिंगापुर में तेरह दिसंबर तक चलने वाली चैपियनशिप का एक सुखरूप भलू झव्ह भी है कि शतरंज में एशिया का वर्चस्व नज़र आया। यह इस विश्वस्थार्थ के 138 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है एवं एशियाई शतरंज के माहिर खिताबी जीत के लिये मुकाबला कर रहे थे। वहां मुकाबला इतना कड़ा था कि गुकेश डी और पूर्व चैपियन डिंग के बीच तेरह मुकाबले तक बाजी बराबरी पर छूटी। जिससे शतरंज प्रतियोगियों में खेल का रोमांच बराबर बना रहा।

बहरहाल, इस कड़े मुकाबले का निष्कर्ष यह है कि इस मुकाबले के बाद गुकेश शतरंज की दुनिया के बेताज बादशाह बन गए हैं। उन अंतर्राष्ट्रीय माहिरों को मूँह की खानी पड़ी जो कुछ रांड़न के बाद गुकेश को कमतर आंक रहे थे। वैसे यह चैपियनशिप के 138 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है एवं एशियाई शतरंज के माहिर खिताबी जीत के लिये मुकाबला कर रहे थे। वहां मुकाबला इतना कड़ा था कि गुकेश डी और पूर्व चैपियन डिंग के बीच तेरह मुकाबले तक बाजी बराबरी पर छूटी। जिससे शतरंज प्रतियोगियों में खेल का रोमांच बराबर बना रहा।

बहरहाल, इस कड़े मुकाबले का निष्कर्ष यह है कि इस मुकाबले के बाद गुकेश शतरंज की दुनिया के बेताज बादशाह बन गए हैं। उन अंतर्राष्ट्रीय माहिरों को मूँह की खानी पड़ी जो कुछ रांड़न के बाद गुकेश को कमतर आंक रहे थे। वैसे यह चैपियनशिप के 138 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है एवं एशियाई शतरंज के माहिर खिताबी जीत के लिये मुकाबला कर रहे थे। वहां मुकाबला इतना कड़ा था कि गुकेश डी और पूर्व चैपियन डिंग के बीच तेरह मुकाबले तक बाजी बराबरी पर छूटी। जिससे शतरंज प्रतियोगियों में खेल का रोमांच बराबर बना रहा।

**बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी तीसरा टेस्ट आज से: प्रसारण सुबह 5.50 से**

# गाबा में हिस्ट्री रिपीट करने उतरेगी टीम इंडिया रोहित-विराट और बुमराह पर होगी जिम्मेदारी



● ब्रिस्बेन (एजेंसी)

**पिंच रिपोर्ट :** गाबा की पिंच को लेकर व्यूरेटर डॉविड सैंडरसन्को ने बताया

कि साल के अग्र-अग्र समय में इस पिंच का व्यवहार अलग-अलग होता है। सीजन के अंत में पिंच थोड़ी टूट जाती है। जबकि सीजन की शुरुआत में यह ताजगी से भरी रहती है। इस बार भी गाबा की पिंच पर तेज गेंदबाजों के लिए ऐसे और बांस द्वारा, जो गाबा के पारापांकिक पिंच के रूप में जाना जाता है।

**टॉस का रोल:** ब्रिस्बेन में टॉस की जीत वाली टीम पहले गेंदबाजी करना परामर्श देती है। यहां अब तक कुल 66 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिनमें से 26 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं, जबकि पहले गेंदबाजी करने वाली टीम ने भी 26 मैच जीते हैं। हालांकि, पिछले 4 मैचों में पहले गेंदबाजी करने वाली टीम को 3 बार जीत मिली है।

ब्रिस्बेन में अब तक दोनों टीमों के बीच 7 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, जिनमें भारत को केवल एक ही जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया ने 5 मैच जीते हैं और एक ड्रॉ रहा।

भारत ने पिछली बार 2021 में गाबा में खेले गए टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट के बाद रुकाव की थी, जबकि इस पर भारत ने दो विकेट के बाद रुकाव की थी। दूसरे टेस्ट में भारत का पूरा सीरीज की टॉप स्कोरर है। उन्होंने बांस की शानदार पारी खेली थी। इसके अलावा शुभमन गिल ने 91 और चेतेश्वर पुजारा ने 56 रन बनाए।

थे। इससे पहले, गाबा स्टेडियम 1988 से लेकर 2020 तक ऑस्ट्रेलिया का विजेता बना हुआ था, जहां होम टीम को किसी भी टेस्ट में हार का सामने नहीं करना पड़ा था। भारत को इस विश्वासिक जीत के साथ सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। दूसरे टेस्ट में भारत का पूरा सीरीज की टॉप स्कोरर है। उन्होंने एडिलेंड टेस्ट में शतक लगाया था और पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में 89 रन की शानदार पारी खेली थी।

थे, जबकि जायसवाल इस सीरीज में भारत के उप-टॉप स्कोरर हैं। भारत के उप-कानून जसप्रीत बुमराह ने अब तक 12 विकेट लेकर सीरीज के टॉप विकेट टेकर के रूप में अपनी जगह बनाई है। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ट्रैविस हेड है। ऑस्ट्रेलिया की टॉप स्कोरर है। उन्होंने एडिलेंड टेस्ट में शतक लगाया था और पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में 89 रन की शानदार पारी खेली थी।

## सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: दिल्ली को सात विकेट से हराकर मप्र फाइनल में, अब मुम्बई से होगा खिताबी मुकाबला

**बैंगलुरु (एजेंसी)।** कमान रजत पाटीदार (नाबाद 66) और हरप्रीत सिंह (46) की बेहतरीन मध्यप्रदेश की विरासीयों की बड़ी उत्तराधिकारी ने अपनी टीम के बाद गुकेश की ओपनिंग बल्लेबाजी को दूर कर दिया। इस पर दोनों मैचों के सातवां रन के बाद गुकेश को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में दिल्ली को प्राप्ति किया। प्रतिवारी ने एक गुकेश को फिर से खेला। अपनी गोइंग (शून्य) और शुभांशु सुनापति (शून्य) में प्रवर्षण किया।

प्रवर्षण किया। अब गुकेश को फिर से खेला। अपनी गोइंग को फिर से खेला।

प्रवर्षण किया। अब गुकेश को फिर से खेला।

प्रवर्षण किया। अब







